● तृतीयः पाठः

पुरुषोत्तमः रामः

(पुरुषों में श्रेष्ठ राम)

इक्ष्वाकुवंशप्रभवो रामो नाम जनैः श्रुतः।
नियतात्मा महावीर्यो द्युतिमान् धृतिमान् वशी।।१।।

बुद्धिमान् नीतिमान् वाग्मी श्रीमाञ्छत्रुनिवर्हणः।
विपुलांसो महाबाहुः कम्बुग्रीवो महाहनुः।।२।।

महोरस्को महेष्वासो गूढजत्रुररिन्दमः।
आजानुबाहुः सुशिराः सुललाटः सुविक्रमः।।३।।

समः समविभक्ताङ्गः स्निग्धवर्णः प्रतापवान्।
पीनवक्षा विशालाक्षो लक्ष्मीवाञ्छुभलक्षणः।।४।।

धर्मज्ञः सत्यसन्धश्च प्रजानां च हिते रतः।
यशस्वी ज्ञानसम्पन्नः शुचिर्वश्यः समाधिमान्।।५।।

प्रजापति समः श्रीमान् धाता रिपुनिषूदनः।
रक्षिता जीवलोकस्य धर्मस्य परिरक्षिता।।६।।

रक्षिता स्वस्य धर्मस्य स्वजनस्य च रक्षिता।
वेदवेदाङ्गतत्त्वज्ञो धनुर्वेदे च निष्ठितः।।७।।

सर्वशास्त्रार्थतत्त्वज्ञः स्मृतिमान् प्रतिभावान्।
सर्वलोकप्रियः साधुरदीनात्मा विचक्षणः।।८।।

स च नित्यं प्रशान्तात्मा मृदुपूर्वं च भाषते।
उच्चमानोऽपि परुषं नोत्तरं प्रतिपद्यते।।९।।

कदाचिदुपकारेण कृतेनैकेन तुष्यति।
न स्मरत्यपकाराणां शतमप्यात्मशक्तया।।१०।।

सर्वविद्याव्रतस्नातो यथावत् साङ्गवेदवित्।
अमोघक्रोधहर्षश्च त्यागसंयमकालवित्।।११।।

अभ्यास प्रश्न

● लघु उत्तरीय प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए–

१. रामः कस्मिन् वंशे उत्पन्नः आसीत्?

२. जीवलोकस्य रक्षकः कः आसीत्?

३. रामः गाम्भीर्ये केन समः आसीत्?

४. कः प्रजापतिः समः श्रीमान् आसीत्?

५. रामः वीर्ये केन सदृशः आसीत्?

६. कः साङ्गवेदवित् आसीत्?

७. रामस्य के विशिष्टाः गुणाः आसन्?

● अनुवादात्मक प्रश्न

१. निम्नलिखित श्लोकों का ससन्दर्भ हिन्दी-अनुवाद कीजिए–

(अ) इक्ष्वाकुवंशप्रभवो ..... धृतिमान् वशी।

(ब) बुद्धिमान् नीतिमान् ..... महाहनुः।

(स) धर्मज्ञः सत्यसन्धश्च ..... समाधिमान्।

(द) प्रजापति समः ..... परिरक्षिता।

(य) स च नित्यं ..... प्रतिपद्यते।

२. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

(अ) राम बड़े धैर्यवान् और कान्तिमान् थे।

(ब) राम मृदुभाषी थे।

(स) राम लोक के रक्षक थे।

(द) वे धनुर्विद्या में निपुण थे।

(य) राम दूसरों का कल्याण करते थे।

(र) राम स्वजनों की रक्षा करते थे।

(ल) श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम थे।

● व्याकरणात्मक प्रश्न

(१) **निम्नलिखित शब्दों में सन्धि-विच्छेद कीजिए–**
पुण्यात्मा, नियतात्मा, विशालाक्षो, प्रशान्तात्मा।

(२) **निम्नलिखित शब्द-रूपों में विभक्ति एवं वचन लिखिए–**
रामात्, रामेभ्यः, रामाणाम्, रामाभ्याम्, रामौ।

(३) जिस प्रकार **मान शब्द** लगाकर बुद्धिमान बना है, उसी प्रकार **मान् प्रत्यय** लगाकर चार शब्द बनाइए।

(४) **निम्नलिखित शब्दों में समास-विग्रह कीजिए–**
सुललाटः, महाबाहुः, क्रोधहर्षौ, रामलक्ष्मणौ।

● आन्तरिक मूल्यांकन

राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। श्रेष्ठ पुरुष के गुणों की एक सूची बनाइए।

शब्दार्थ

इक्ष्वाकुवंशप्रभवः = इक्ष्वाकु वंश में उत्पन्न। **जनैः** = लोगों के द्वारा। **श्रुतः** = सुना गया। **नियतात्मा** = जिसका मन वश में हो। **द्युतिमान्** = कान्तिमान्। **धृतिमान्** = धैर्यवान्। **वशी** = इन्द्रियों को जीतनेवाला। **वाग्मी** = कुशल वक्ता। **श्रीमाञ्छत्रुनिवर्हणः** = श्रीमान् + शत्रु + निवर्हणः = श्रीसम्पन्न एवं शत्रु का नाश करनेवाला। **विपुलांसो** = ऊँचे कन्धोंवाला। **कम्बुग्रीवो** = शंख के समान गर्दनवाला। **महाहनुः** = बड़ी ठोड़ीवाला। **महोरस्को** = विशाल वक्षस्थलवाला। **महेष्वासो** = विशाल धनुषवाला। **गूढजत्रुः** = जिसकी नसें मांस में दबी हों। **अरिन्दमः** = शत्रु का दमन करनेवाला। **विशालाक्षो** = विशाल नेत्रोंवाला। **शुचिः** = पवित्र। **वश्यः** = वशीभूत। **धाता** = सहारा देनेवाले। **निषूदनः** = दबानेवाला। **निष्ठितः** = निपुण। **स्मृतिमान्** = अच्छी स्मृतिवाले। **प्रतिभावान्** = अपने ज्ञान का सदुपयोग करनेवाला। **अदीनात्मा** = स्वतन्त्र। **विचक्षणः** = चतुर, विद्वान्। **अभिगतः** = सहित। **सर्वशास्त्रार्थ तत्त्वज्ञः** = सभी शास्त्रों के अर्थ का ज्ञाता। **नित्यं** = सदा। **नोत्तरं** = उत्तर नहीं देते। **कदाचिदुपकारेण** = एक बार उपकार। **तुष्येति** = सन्तुष्ट हो जाते हैं। **वीर्ये** = पराक्रम में। **साङ्ग** = अंगों सहित। **पृथिवीसमः** = पृथ्वी के समान।

●